राष्ट्रीय बांस मिशन द्वारा प्रायोजित BTSG-ICFRE के तत्वाधान में मध्य प्रदेश एवं छत्तीसगढ़ के कारीगरों एवं किसानो के लिये बांस हस्तशिल्प पर विशेष प्रशिक्षण

आज दिनाँक 24/06/2013 को उष्ण कटिबंधीय वन अनुसंधान जबलपुर में दिनाँक 24/06/2013 से 28/06/2013 तक 05 दिवसीय बाँस हस्तशिल्प प्रशिक्षण का शुभांरभ हुआ । राष्ट्रीय बांस मिशन द्वारा प्रायोजित BTSG-ICFRE देहरादून के तत्वाधान में मध्य प्रदेश एवं छत्तीसगढ़ राज्य के 25 प्रशिक्षणार्थी भाग ले रहे है । बांस बरेली (उ.प्र.) से पधारे प्रशिक्षक श्री नत्थू हुसैन एवं श्री निराले जी के कुशल मार्गदर्शन में प्रशिक्षणार्थीयों को बांस से फर्नीचर, सजावटी समान, घरेलू उपयोग का सामान आदि बनाना सिखाया जायेगा । श्री हुसैन द्वारा विशेषतौर पर उन औजारों के उपयोग पर प्रकाश डाला जाएगा । जिनके उपयोग से सामान की सुन्दरता (फिनिशिंग) एवं बाजार मूल्य बढ़ता है । उदघाटन समारोह के मुख्य अतिथि माननीय निदेशक डॉ. यू. प्रकाशम (भा.व.से.) ने अपने उदबोधन में कहा कि बांस जब जंगल में होता है तो पर्यावरण के हित में कार्य करता है तथा कटने के बाद आर्थिक आय का साधन बनता है । भारत में विश्व का 30 प्रतिशत बांस पाया जाता है । परंतु हम केवल 4 प्रतिशत बांस से ही आमदनी बढ़ाने के सामान जैसे फर्नीचर, सजावटी समान, घरेलू उपयोग का सामान बना पाते है ।

इसलिए राष्ट्रीय बांस मिशन बांस का उत्पादन क्षेत्र बढ़ाने, प्रशिक्षण द्वारा बांस से बनी सामग्री की गुणवत्ता बढ़ाने और बांस का बाजार बढ़ाने के लिये संकल्पित है । आधुनिक हथियारों से बांस की सुन्दर, टिकाऊ एवं गुणवत्ता सामग्री तैयार करना तैयार सामग्री की पैकिंग आदि का प्रशिक्षण भी दिया रहा है । उदघाटन के अन्त में डॉ. एस. ए. अन्सारी, समूह समन्वयक द्वारा आभार प्रदर्शन किया गया एवं कार्यक्रम का संचालन, डॉ. नितिन कुलकर्णी, प्रभागाध्यक्ष, वन विस्तार प्रभाग द्वारा किया गया । संयोजको द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार प्रशिक्षण के दौरान बनाई गई वस्तुओं की एक प्रदर्शनी दिनाँक 28/06/2013 को प्रस्तावित है ।